कक्षा-आठवीं, विषय-हिन्दी

अधिन्यास - 4 (दोपहरी)

प्रश्न-1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

एक महल की दृढ़ता तथा मजबूती उसकी नींव पर ही निर्भर करती है |अगर महल की नींव मजबूत होगी तो वह भवन भी चिरस्थायी रहेगा |छोटे-छोटे पेड़-पौधों को यदि शुरू से ठीक प्रकार सींचा जाए और उन्हें अच्छा संरक्षण दिया जाए, तो ये लघु पौधे एक दिन विशाल वृक्षों में परिवर्तित हो जाते हैं तथा हमे छाया और फल देते हैं |इसी प्रकार यदि एक युवक को छात्रावास में ठीक प्रकार से शिक्षा दी जाए, तो उसका भावी जीवन सुख एवं समृद्धि से भरपूर होता है |छात्रावास नवीन वृक्ष की उस कोमल एवं मृदु शाखा के समान है, जिसे मनचाही अवस्था में सरलता से मोड़ा जा सकता है, विशाल वृक्षों की शाखाएँ टूट भले ही जाएँ परंतु मुडती नहीं, क्योंकि समय, अनुभव तथा जीवन के सुख-दुःख उन्हें कठोर बना देते हैं |छात्रावास अबोध अवस्था होती है |इसमें न बुद्धि परिष्कृत होती है और न विचार | माता-पिता तथा गुरुजनों से विद्यार्थी को जैसी शिक्षा मिलती है, वह उसी को ग्रहण करता है | अनुशासन का शाब्दिक अर्थ है--शासन के पीछे चलना अर्थात गुरुजनों और अपने पथ-प्रदर्शकों के नियंत्रण में रहकर नियमबद्ध जीवन-यापन करना तथा उनकी आज्ञा का पालन करना |हर व्यक्ति के लिए अनुशासन का पालन आवश्यक है |अनुशासनहीन विद्यार्थी न तो देश का सभ्य नागरिक बन सकता है और न अपने व्यक्तिगत जीवन में सफल हो सकता है |अनुशासन विद्यार्थी जीवन के लिए सफलता की एकमात्र कुंजी है |

(1) विद्यार्थी की तुलना किस से की गई है?
(2) जीवन की सफलता किस पर निर्भर करती है?
(3) लेखक के अनुसार देश के विकास में कौन बाधक है?
(4) अनुशासन का शाब्दिक अर्थ क्या है?
(5) एक महल की दृढ़ता तथा मजबूती किस पर निर्भर करती है?
(6) उपरोक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए |

प्रश्न-2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

गर्मी की दोपहरी में
तपे हुए नभ के नीचे
काली सड़के तारकोल की
अंगारे-सी जली पड़ी थीं
छाँह जली थी पेड़ों की भी
पत्ते झुलस गए थे

नंगे-नंगे दीर्घकाय, कंकालों से वृक्ष खड़े थे
हों अकाल के ज्यों अवतार |

(1) पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन किया गया है?
(2) सडकों की तुलना अंगारों से क्यों की गई है?
(3) वृक्षों को अकाल का अवतार क्यों कहा गया है?
(4) उपर्युक्त पद्यांश में से अलंकार छाँटकर लिखिए |

प्रश्न-3 कविता 'दोपहरी' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर संकेत बिंदुओं के आधार पर विस्तार से लिखिए-

मनुष्य को जीवन में सुख के साथ कठिन परिस्थितियों का सामना भी करना पड़ता है | ऐसी कठिन परिस्थितियों में मनुष्य को क्या करना चाहिए?

संकेत बिंदु :

- सुख और दुःख जीवन के दो पहलू |
- सुख और दुःख के प्रति समदर्शी भाव रखना |
- सुख में न अधिक प्रसन्न होना चाहिए और दुःख में अत्यधिक दुखी नही होना चाहिए |
- धर्यपूर्वक कठिन परिस्थिति का सामना करना |
- लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए |
- नई चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए |

प्रश्न-4 निम्नलिखित संकेत बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए 'मेरा प्रेरक व्यक्ति' पर अनुच्छेद लिखिए |

संकेत बिंदु :

- प्रस्तावना (आदर्श व्यक्ति का अर्थ)
- आदर्श व्यक्ति का नाम
- चयन के कारण
- आचरण व व्यवहार
- उपलब्धियाँ एवं योग्यताएँ
- आपके जीवन में उनका स्थान
- उपसंहार